# गीत गुलमोहर के

विपा चौहान

Scanned with OKEN Scanner

n1622

शासकीय जिला पुस्तकालय
टीकमगढ़ को सादर......

सौजन्य – राजीव नामदेव "राना लिधौरी"
संपादक– 'आकांक्षा' पत्रिका
अध्यक्ष– म.प्र. लेखक संघ जिला इकाई टीकमगढ़
नई चर्च के पीछे, शिव नगर कालोनी, टीकमगढ़
(म.प्र.)–472001, मोबा. [illegible]

# गीत गुलमोहर के

(काव्य)

---

**विद्या चौहान**

---

विद्या चौहान

Chouhan
1/2/23

AVISHA
अविशा प्रकाशन

गीत गुलमोहर के (काव्य)


कवयित्री

विद्या चौहान

vkmschouhan@gmail.com

Mob. : 918368167340


मुखपृष्ठ

विद्या चौहान

परामर्श

अविनाश बागड़े


प्रकाशक

अविशा प्रकाशन

84, अविशा, जैतवन सोसायटी,

शास्त्री ले-आऊट, खामला, नागपुर - 440025

मोबा. 9373271400

Email - aavinashbag@gmail.com

मुद्रक

स्कॅन डॉट कॉम्प्युटर, महाल, नागपुर.

मोबा. : 9822565782

scandot100@gmail.com

संस्करण : 2022

मूल्य : 150/-



© सर्वाधिकार लेखकाधीन



ISBN : 978-81-955920-8-1



Scanned with OKEN Scanner

# अनुक्रम


मेरी कविताएँ ..... 15
गुलमोहर की छाँव ..... 16
खिलना नहीं छोड़ा है ..... 17
कविता ..... 18
सहोदरी ..... 19
आने को है बसंत ..... 20
बोगनवेलिया ..... 22
षोडशी सरसों ..... 23
इस होली में ..... 24
गुलमोहर ..... 26
टेसू खिले हैं ..... 27
सिंदूरी गुलमोहर ..... 28
होली अब के बरस ..... 29
शाम ..... 30
दस्तक देता बसंत ..... 31
ठान लो तुम आज से ..... 32
जीवन एक रूप अनेक ..... 33
माँ के नाम एक पत्र ..... 35
मौन संवाद ..... 36
बाबुल का अँगना ..... 37
आ जाओ गौरैया ..... 39
मेरा भारत ..... 41
पावन गंगा ..... 42
प्रेरणा ..... 43
चंचल पवन ..... 45
नदिया धारा ..... 47
पलाश ..... 49
देखा है मैंने ..... 50
सपने ..... 51
इंद्रधनुष ..... 52
प्रकृति की सीख ..... 53
सरिता की शंका ..... 54
जीवन हो ऐसा ..... 55
गिलहरी ..... 56
ब्रम्हाण्ड ..... 57
कल, आज और कल ..... 58
रिश्तों की चादर ..... 59
गुलाबी एहसास ..... 60
कुछ ऐसा करो! ..... 61
खुले आसमाँ के नीचे ..... 62
ज़िंदगी का फ़लसफ़ा ..... 64
वो बचपन सुहाना ..... 65
सूर्योदय निश्चित होगा ..... 67
ज़िंदगी ..... 68
जीवन सँवार लो ..... 69
बादल की आह! ..... 71
सपनो का घर ..... 73
धूप ढलती जा रही ..... 74
अपना हिस्सा ..... 75
मेरी चाय ..... 76


Scanned with OKEN Scanner

# अनुक्रम


सावन ..... 78
मंगल गीत ..... 79
बादल ..... 80
सूखी नदी ..... 81
ऐ ज़िंदगी ..... 82
विरह गीत-सावन (कजरी) ..... 84
बारिश ..... 85
मन-गिलहरी ..... 86
रिश्ते ..... 87
खामोशी ..... 88
किरणें ..... 91
आशा ..... 93
संवाद ..... 94
गंगा ..... 96
फिर वही कहानी ..... 98
ठहर जाऊँ ..... 99
परिवार ..... 100
मैं नारी हूँ ..... 102
पल्लवित मन ..... 104
दीप जलाना ..... 106
लाल जोड़ा ..... 107
अलमारी ..... 108
मैं क्या करती हूँ? ..... 110
दीया और मैं ..... 111
समय ..... 112
औरत ही ..... 113
आँचल ..... 115
शरद की आहट ..... 117
पानी ..... 119
भाप ..... 120
बर्फ़ ..... 121
हो ये रात अंतिम ..... 122
माँ ..... 123
आह्वान ..... 124
मेरा गाँव ..... 127
उसके आग़ोश में ..... 129
आ भी जाओ शरद! ..... 130
जाड़े की धूप ..... 131
सूरज को यह क्या हुआ ..... 133
ठिठुरन ..... 135
तुम और मैं ..... 137
क़ुर्बानी ..... 139
रूबाईयाँ ..... 140
ऐ वतन ..... 141
ख़ुशियाँ ..... 142
मैं वामा ..... 144
सहेज रही हूँ ..... 145
अब वो शाम नहीं आती ..... 146
भूले बिसरे ..... 147


Scanned with OKEN Scanner

विद्या चौहान

अपने आँगन में
मैंने लगाया था
गुलमोहर का पेड़
घनी छाँव अब
देने लगा है
कुछ देर आ कर
तुम भी बैठ जाना!
उसके झरते फूल
तुम्हें अपने से लगेंगे
बचपन के क़िस्से
तुमसे आ मिलेंगे
चहकते पंछी
डाली पर बैठ
कुछ अपनी कहेंगे
कुछ तुम्हारी सुनेंगे!
कुछ बातें मौसम की
कुछ ख़ुशी कुछ ग़म की
कुछ धूप कुछ शबनम की
कुछ बारिश में नम की
कुछ तुम्हारे, मेरे, हम सबके
अहसासों के मिलते जुलते
दास्तानों के पल
इंतज़ार में आँखें बिछाये
बैठे मिलेंगे!
महकती कुछ यादें
बन 'गीत गुलमोहर के'
गुनगुनाने लगेंगे!

## परिचय

विद्या चौहान नागपुर में जन्मीं और वहीं से शिक्षा पूर्ण की। इन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से बी.एस.सी., बी.एड. ( गणित, भौतिक विज्ञान) से स्नातक किया और फिर शिक्षिका की भूमिका में कोमल मन और निश्छल हृदय के स्वरूप विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता को तराश कर उनके भावी भविष्य को आकार दिया। हिंदी और अंग्रेज़ी, दोनों भाषाओं में कविताएँ लिखती हैं। वर्तमान में परिवार सहित हरियाणा के फ़रीदाबाद शहर में रहती हैं।

काव्य की विविध विधाओं में सृजनरत। सामाजिक मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण और पक्ष, समाचार पत्रों और विभिन्न संचार माध्यमों से व्यक्त करती हैं।

### प्रकाशित पुस्तकें

- अ जर्नी थ्रू परसेवेरन्स (उपन्यास)
- दहलीज़ ( हिंदी अनुवाद)

### साझा संग्रह

- कलरव– लघुकथा संग्रह
- हाइकु काव्य के हस्ताक्षर– हाइकु संग्रह
- महिला दिवस–एक अभिव्यक्ति
- ज़िंदगी ज़िंदाबाद–कोरोना काल

AVISHA अविशा प्रकाशन

978-81-955920-8-1

Scanned with OKEN Scanner